

संकट मोचन हनुमानाष्टक (हनुमान अष्टक) pdf download

बाल समय रवि भक्षी लियो तब
तीनहुं लोक भयो अंधियारों ।

ताहि सो त्रास भयो जग को
यह संकट काहु सो जात न टारो ।

देवन आनि करी बिनती तब
छाड़ी दियो रवि कष्ट निवारो ।

को नहीं जानत है जग में कपि
संकटमोचन नाम तिहारो ।

बालि की त्रास कपीस बसैं गिरि
जात महाप्रभु पंथ निहारो ।

चौकिं महामुनि सांप दियो तब
चाहिए कौन बिचार बिचारो ।

कैद्विज रूप लिवाय महाप्रभु
सो तुम दास के सोक निवारो ।

को नहीं जानत है जग में कपि
संकटमोचन नाम तिहारो ।

Mandirtemple.com Jai Shriram

अंगद के संग लेन गए सिय
खोज कापीस यह बैन उचारो ।

जीवत ना बचिहौ हम सो जु
बिना सुधि लाये इहा पगु धारो ।

हेरि थके तट सिन्धु सबे तब लाए
सिया - सुधि प्राण उबारो ।

को नहीं जानत है जग में कपि
संकटमोचन नाम तिहारो ।

रावण त्रास दई सियो को सब
राक्षसी सों कहीं सोक निवारो ।

ताहि समय हनुमान महाप्रभु
जाए महा रचनीचर मारो ।

चाहत सीय असोक सों आगि सु
दै प्रभु मुद्रिका सोक निवारो ।

को नहीं जानत है जग में कपि
संकटमोचन नाम तिहारो ।

बाण लाग्यो उर लक्ष्मण के तब
प्राण तजे सुत रावन मारो ।

लै गृह वैद्य सुषेन समेत
तबै गिरि द्रोण सु बीर उपारो ।

अनि संजीवन हाथ दई तब
लछिमन के तुम प्राण उबारों

को नहीं जानत है जग में कपि
संकटमोचन नाम तिहारो ।

Mandirtemple.com Jai Shriram

रावन जुद्व अज्ञान कियो तब
नाग कि फांस सबै सिर डारो ।

श्रीरघुनाथ समेत सबै दल
मोह भयो यह संकट भारो ।

आनि खगेस तबै हनुमान जु
बंधन काटि सुत्रास निवारो ।

को नहीं जानत है जग में कपि
संकटमोचन नाम तिहारो ।

बंधु समेत जबै अहिरावन
लै रघुनाथ पाताल सिधारो ।

देबिन्ही पूजि भलि विधि सो बलि
देउ सबै मिलि मंत्र विचारो ।

जाए सहाय भयो तब ही
अहिरावण सैन्य समेत संहारो ।

को नहीं जानत है जग में कपि
संकटमोचन नाम तिहारो ।

काज किए बड़ देवन के तुम
बीर महाप्रभु देखि विचारो ।

कौन सो संकट मोर गरीब को
जो तुमसे नहीं जात है टारो ।

बेगि हरो हनुमान महाप्रभु
जो कछु संकट होय हमारो ।

को नहीं जानत है जग में कपि
संकटमोचन नाम तिहारो ।

॥ दोहा ॥

लाल देह लाली लसे, अरु धरि लाल लंगूर
बज्र देह दानव दलन, जय जय जय कपि सूर ॥

संकट मोचन हनुमान अष्टक संपूर्ण

सियावर रामचन्द्र की जय, पवनपुत्र हनुमानजी की जय ॥

Mandirtemple.com Jai Shriram